00229

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2010

IBO-05 : INTERNATIONAL MARKETING LOGISTICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt **any five** questions. All questions **carry equal** marks.*

1. Explain the concept of 'Marketing Logistics' and discuss its significance in the international trade. **5+15**

2. (a) "The total cost concept and cost trade off go hand in hand". Discuss. **10+10**

(b) What are the various factors taken into consideration while selecting the mode of inland transportation for export cargo ? Explain them briefly.

3. "During the last three decades multi-modal transportation has made rapid progress. "Comment on the statement and explain as to how multi-modal transportation has benefitted the movement of merchandise in international arena. **20**

4. What are the various ways in which a ship can be chartered ? Explain them briefly and describe the responsibilities of shipowners and charterers in any one of these arrangements. **6+14**

5. Enumerate the various areas where frauds and disputes normally take place in international marine transactions. Discuss the usual precautionary measures to be taken by international buyers and sellers to prevent such frauds. **8+12**

6. Distinguish between **7+7+6**
   (a) Domestic and International Logistics.
   (b) Bill of Lading and Charter Party
   (c) Shipowner's lien and maritime lien.

7. Describe the problems faced by ports in India. Discuss the policy initiatives taken up for ports sector by the Government. **8+12**

8. Write explanatory notes on ***any two*** of the following : **10+10**
   (a) Registration of shippers in India
   (b) Selective Inventory control
   (c) Basic principles for pricing liner facilities
   (d) Consultative Arrangements for solving shippers problems in India.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा / वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

आई.बी.ओ.-05 : अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स

समय : 3 घन्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कोई से **पाँच** प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

1. 'विपणन लॉजिस्टिक्स' संकल्पना की व्याख्या कीजिए तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में इसके महत्त्व का वर्णन कीजिए। 5+15

2. (a) ''कुल लागत अवधारणा तथा लागत व्यापार संतुलन साथ-साथ चलते हैं।'' विवेचन कीजिए। 10+10

   (b) निर्यात माल के लिए अन्तर्देशीय परिवहन विधि का चयन करते समय किन कारकों को ध्यान में रखना होता है? संक्षेप में उनकी व्याख्या कीजिए।

3. ''पिछले तीन दशकों के दौरान बहुप्रतिरूप परिवहन ने तेज प्रगति की है।'' इस कथन की समालोचना कीजिए तथा यह स्पष्ट कीजिए कि बहुप्रतिरूप परिवहन अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में माल को ले जाने में किस प्रकार लाभदायक सिद्ध हुआ है। 20

4. एक जहाज को चार्टर करने की विभिन्न विधियां क्या हैं? संक्षेप में उनकी व्याख्या कीजिए तथा इनमें से किसी एक विधि के अन्तर्गत जहाज मालिकों एवं चार्टरकर्त्ताओं के उत्तरदायित्वों का वर्णन कीजिए। 6+14

5. अन्तर्राष्ट्रीय सामुद्रिक लेनदेन के विभिन्न क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए जहां छल एवं विवाद सामान्यतया होते हैं। उन सामान्य रोकथाम उपायों की व्याख्या कीजिए जो कि अन्तर्राष्ट्रीय क्रेताओं विक्रेताओं द्वारा धोखाधड़ी से बचने के लिए अपनाया जाना चाहिए। 8+12

6. निम्नलिखित में अन्तर बताइए : 7+7+6

   (a) घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स

   (b) लदान बिल (B/L) तथा चार्टर पार्टी

   (c) जहाज मालिक ग्रहणाधिकार तथा समुद्री गृहणाधिकार

7. भारतीय बन्दरगाहों द्वारा जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उनका वर्णन कीजिए। बन्दरगाहों के विकास के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न नीतिगत पहलों का विवेचन कीजिए। 8+12

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर व्याख्यात्मक टिप्पणियां लिखिए : 10+10

   (a) भारत में शिपरों (परेषकों) का पंजीयन

   (b) चयनात्मक स्टाक नियंत्रण

   (c) लाइनर सुविधाओं की कीमत निर्धारण के आधारभूत सिद्धांत

   (d) परेषकों (शिपरों) की समस्याओं के हल की सलाहकारी व्यवस्थाएं